वर्ष 2015-16 के लिए कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड (केआरसीएल) की वार्षिक रिपोर्ट एवं लेखा परीक्षित लेखों की समीक्षा

कॉर्पोरेशन की स्थापना भारत के पश्चिमी तटीय क्षेत्र अर्थात् रोहा से मंगलोर तक 741 किलोमीटर की लंबाई के साथ रेलवे लाइन निर्माण और परिचालन के उद्देश्य के लिए रेल मंत्रालय (51%), महाराष्ट्र (22%), कर्नाटक (15%), केरल (6%) और गोवा (6%) द्वारा ईक्विटी भागीदारी के साथ 1990 में की गई थी। परियोजना के पूर्ण होने की लागत 1035 करोड़ रुपए के परियोजना वित्त पोषण सहित 3555 करोड़ रुपए थी। कॉर्पोरेशन 26 जनवरी, 1998 से रेलवे संचालन के लिए पूरी तरह तैयार हुई और तब से यात्री और माल यातायात गाड़ियों का सफलतापूर्वक संचालन किया गया है। कॉर्पोरेशन को टर्नकी रेलवे परियोजनाओं के निर्माण कार्य में विशेषज्ञता हासिल है।

वित्तीय कार्य निष्पादन:

क. पिछले वर्ष के दौरान 1323 करोड़ रुपए (रुपए एक हजार तीन सौ तेईस करोड़ केवल) की तुलना में वर्ष 2015-16 के दौरान कुल राजस्व बढ़कर 1625 करोड़ रुपए (एक हजार छह सौ पच्चीस करोड़ रु.) हो गई है। कॉर्पोरेशन ने वित्तीय वर्ष 2014-15 में 39.39 करोड़ रुपए (उनतालीस करोड़ उनतालीस लाख रु.) लाभ की तुलना में समीक्षाधीन वर्ष के दौरान निगम ने 129.50 करोड़ रुपए (एक सौ उनतीस करोड़ पचास लाख रु.) अब तक का सबसे बेहतर शुद्ध लाभ अर्जित किया है।

ख. कॉर्पोरेशन का 31 मार्च, 2016 को कुल मूल्य 1483 करोड़ (एक हजार चार सौ तिरासी करोड़ रुपए) रुपए रहा है।

ग. वर्ष 2014-15 में 86.43% की तुलना में परिचालन अनुपात, जो परिचालन दक्षता का मापदंड है, में भी वर्ष 2015-16 में 80% तक सुधार हुआ है।

घ. कॉर्पोरेशन ने वर्ष 2015-16 के दौरान 316.50 करोड़ रुपए मूल्य के बांड (तीन सौ सोलह करोड़ पचास लाख रु.) रिडीम्ड किए हैं। कॉर्पोरेशन 550 करोड़ रुपए मूल्य के बांड पुनः जारी किया है।

पिछले तीन वर्षों के लिए संक्षिप्त वित्तीय विवरण निम्नानुसार है:

(करोड़ रु. में)

विवरण	2015-16	2014-15	2013-14
कुल आय	1625	1323	1277
परिचालन मार्जिन	314	233	218
कर के बाद लाभ	130	39	13
कुल मूल्य	1483	1354	1353

गाड़ी परिचालन निष्पादन:

एकल लाइन खण्ड पर रोल ऑन-रोल ऑफ सेवाओं सहित प्रतिदिन औसतन 50 यात्री गाड़ियां और 17 मालगाड़ियां चलाई जाती हैं और समयपालन का निष्पादन उत्कृष्ट रहा है। वर्ष के दौरान यात्री आमदनी 556 करोड़ रुपए था और माल भाड़े की कमाई 459 करोड़ रुपए थी। वर्ष के दौरान कुल मिलाकर 2 नई गाड़ियां शुरू की गई थी।

3.0 परियोजना का निष्पादन:

क. **ऊधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक परियोजना, जम्मू-कश्मीर**-ऊधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक के कटरा-धरम खंड का निर्माण कार्य- अब तक,हमने कुल 28.61 कि.मी. में से 23.87 कि.मी सुरंग खुदाई का. का कार्य पूरा किया है। कुल 14 सुरंगों में से 12 सुरंगों के कार्य पूरे कर लिए गए हैं और शेष 02 सुरंगों का कार्य प्रगति पर है। ऊधमपुर-श्रीनगर-बारामुला-रेल लिंक परियोजना में वर्ष के दौरान 460 करोड़ रुपए (चार सौ साठ करोड़ रुपए) का कारोबार हासिल किया गया।

ख. **जयगड़ दिग्नी रेल कनेक्टिविटी** - "जयगड़ दिग्नी रेल लिमिटेड' नामक कंपनी एक विशेष प्रयोजन योजना (एस.पी.वी.) के रूप में गठित की गई थी। 28 जून, 2015 को माननीय रेल मंत्री और महाराष्ट्र के माननीय मुख्यमंत्री की उपस्थिति में रियायत करार पर हस्ताक्षर किए गए। वर्तमान में भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया प्रगति पर है और निर्माण कार्य के लिए निविदा प्रदान करने का कार्य जारी है।

ग. **चिपलून - कराड रेल कनेक्टिविटी परियोजना** - चिपलून से कराड तक नई रेल लाइन (मार्ग की लंबाई 103 किमी) के निर्माण कार्य के लिए यह परियोजना रेलवे बोर्ड द्वारा 10 दिसंबर, 2012 को जारी की गई सहभागी मॉडल नीति के संयुक्त उद्यम मॉडल के तहत क्रियान्वित की जानी है और कंपनी प्रस्तावित संयुक्त उद्यम के लिए अभिव्यक्ति की रूचि (ईओआई) प्रक्रिया के माध्यम से इक्विटी पार्टनर को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है। ई.ओ.आई. आमंत्रित की गई थी और इक्विटी पार्टनर का चयन कर लिया गया है। एक विशेष प्रयोजन योजना का गठन किया जाना है और के.आर.सी.एल. (रेल मंत्रालय के प्रतिनिधि के रूप में) और नवगठित एस.पी.वी. के बीच रियायत करार किया जाएगा।

घ. **एन.टी.पी.सी.- कुडगी और गडरवाडा में पावर हाउस कनेक्टिविटी परियोजनाएं** - के.आर.सी.एल. को एन.टी.पी.सी. द्वारा दो परियोजना प्रबंधन कंसल्टेंसी (पी.एम.सी.) परियोजनाएं प्रदान की गई है जिसमें 637 करोड़ रुपए के कुल परियोजना राजस्व सहित दो रेलवे साइडिंग का निर्माण कार्य शामिल है।

पुरस्कार :

कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन को वर्ष 2015-16 के लिए भारत के महामहिम राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी से 'राजभाषा कीर्ति पुरस्कार' प्राप्त हुआ है।

भविष्य के दृष्टिकोण

क. निगम द्वारा अपने संपूर्ण मार्ग का कहीं-कहीं दोहरीकरण और विद्युतीकरण शुरू करने का प्रस्ताव किया गया है। निगम कहीं-कहीं दोहरीकरण और विद्युतीकरण का कार्य करने के लिए वित्तीय सहायता हेतु वित्तीय संस्थानों के साथ बातचीत कर रहा है।

ख. वर्ष 2026-2028 की अवधि में कर्मचारियों की भारी आवश्यकता को पूरा करने के लिए कंपनी को जनशक्ति योजना तैयार करने की आवश्यकता है क्योंकि इस अवधि के दौरान कर्मचारियों की बड़े पैमाने पर सेवानिवृत्ति होने की उम्मीद है।

ग. निगम में चालू वर्ष में अल्पकालिक और दीर्घकालिक अवधि के उद्देश्यों की रूपरेखा से संबंधित योजना को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

घ. निगम ने वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान बेहतर यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कई पहल कार्य शुरू किए हैं जैसे: लिफ्टस, एस्केलेटरस; मुक्त वाई-फाई; स्थानिक खाद्य स्टाल; सभी स्टेशनों पर फिल्टरयुक्त पानी आदि।